भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 3208
दिनांक 13 दिसंबर, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

पंजाब में गैर-संक्रामक रोगों के मामलों में वृद्धि

3208. श्री चरनजीत सिंह चन्नी:

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को पंजाब में मधुमेह, उच्च रक्तचाप और कैंसर जैसे गैर-संक्रामक रोगों (एनसीडी) में चिंताजनक वृद्धि की जानकारी है जैसा कि हाल की रिपोर्टों में प्रकाश डाला गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) सरकार द्वारा इन रोगों के लिए उत्तरदायी निष्क्रिय जीवनशैली, अस्वास्थ्यकर आहार और पर्यावरणीय कारकों सहित मूल कारणों से निपटने के लिए क्या उपाय किए गए हैं/किए जाने का विचार है; और
(ग) क्या देश में गैर-संचारी रोगों के बढ़ते प्रसार से निपटने के लिए आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत पंजाब में लक्षित कार्यक्रम शुरु करने की कोई योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) 'भारत राज्य-स्तरीय रोग भार पहल' अध्ययन संबंधी रिपोर्ट और रोग विशिष्ट प्रकाशनों के अनुसार संपूर्ण दिव्यांगता समायोजित जीवन वर्षों (डीएएलवाई) में सभी गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) और मधुमेह, उच्च रक्तचाप और कैंसर जैसे प्रमुख एनसीडी के प्रतिशत का ब्यौरा नीचे तालिका में दिया गया है:

रोग समूह का नाम	कुल डीएएलवाई में विभिन्न रोगों के प्रतिशत			
	भारत		पंजाब	
	1990	2016	1990	2016
सभी प्रकार के एनसीडी	30.5%	55.4%	एनए	66%
मधुमेह	0.7%	2.2%	1.3%	3.9%
उच्च रक्तचाप	3.9%	8.5%	7.3%	15.3%
कैंसर	2.5%	5.0%	58.0*	85.5*

*प्रति एक लाख जनसंख्या पर मामला दर

पूरी रिपोर्ट:https://phfi.org/downloads/171110_India_Health_of_Nation_states_Report_2017.pdf लिंक पर उपलब्ध है।

(ख) और (ग): स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग, भारत सरकार राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के हिस्से के रूप में राष्ट्रीय गैर-संचारी रोगों की रोकथाम और नियंत्रण कार्यक्रम (एनपी-एनसीडी) के तहत राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान करता है। इस कार्यक्रम के तहत अवसंरचना सुदृढ़ीकरण, मानव संसाधन विकास, शीघ्र निदान, उपचार और प्रबंधन के लिए उपयुक्त स्तर के स्वास्थ्य परिचर्या सुविधा केंद्र को रेफर करने और गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य संवर्धन और जागरूकता सृजन पर ध्यान केन्द्रित किया जाता है। एनपी-एनसीडी के तहत, 770 जिला एनसीडी क्लीनिक और 6410 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एनसीडी क्लीनिक स्थापित किए गए हैं।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत देश में व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य परिचर्या के एक भाग के रूप में सामान्य एनसीडी की स्क्रीनिंग, उपचार और रोकथाम के लिए जनसंख्या आधारित पहल शुरू की गई है। मधुमेह, उच्च रक्तचाप, मुख, गर्भाशय ग्रीवा और स्तन कैंसर की जांच सेवा प्रदायगी का एक अभिन्न अंग है।

इसके अतिरिक्त, स्वस्थ जीवन शैली को प्रोत्साहित करने के लिए जन जागरूकता संवर्धन संबंधी पहलों में राष्ट्रीय स्वास्थ्य दिवस मनाना, प्रिंट, इलेक्ट्रानिक और सोशल मीडिया का उपयोग शामिल है। एन-पीसीडी के तहत, राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को उनकी कार्यक्रम कार्यान्वयन योजनाओं (पीआईपी) के अनुसार किए जाने वाले कार्य-कलापों के लिए एनसीडी के संबंध में जागरुकता सृजित करने हेतु एनएचएम के तहत जिला स्तर पर 3-5 लाख रुपए की तथा राज्य स्तर पर 50-70 लाख रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय द्वारा फिट इंडिया मूवमेंट लागू किया गया है। आयुष मंत्रालय द्वारा योग से संबंधित विभिन्न कार्यकलाप किए जाते हैं।

भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के ईट राइट इंडिया अभियान के माध्यम से स्वस्थकर भोजन को बढ़ावा दिया जाता है। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के साथ आईसीएमआर-एनआईएन (राष्ट्रीय पोषण संस्थान) ने सभी रेडी टू ईट खाद्य पदार्थों पर उच्च वसा, उच्च नमक, शर्करा (एचएफएसएस) वाले खाद्य पदार्थ का लेबल लगाने संबंधी दिशानिर्देशों की सिफारिश की है ताकि इन खाद्य पदार्थों की खपत को नियंत्रित किया जा सके। आईसीएमआर-एनआईएन ने स्वस्थकर खाद्य पदार्थों के संबंध में पोषण शिक्षा और संचार कार्यनीति के एक भाग के रूप में स्वस्थकर आहार संबंधी आदतों और पोषण पर एनसीईआरटी बोर्ड में स्कूली बच्चों की पाठ्य पुस्तकों में एक नया पाठ्यक्रम शुरु करने की सिफारिश की है।

*****